हमारे राजनेताओं ने जिस तरह देश का बेड़ा गर्क किया है, उसे बयां करने के लिये शब्द नहीं है।''
-सनत जयसूर्या

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेट कप्तान, श्रीकंला की वर्तमान स्थिति पर

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाडी नीरज चोपडा अमेरिका के युगेन में शुक्रवार से शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एतिहासिक पदक जीतने के लिए बेहतरीन फॉर्म और मौजूदा सत्र में प्रदर्शन में निरंतरता पर निर्भर करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में पदक के साथ चोपडा एक और इतिहास रचेंगे क्योंकि अगर वह पदक जीतते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय ट्रैक एवं फील्ड खिलाडी और देश के पहले पुरुष खिलाडी बनेंगे। लंबी कूद की खिलाडी अंजू बॉबी जॉर्ज 2003 में पेरिस में कांस्य पदक के साथ विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थी।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो-डी-जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

न्यूजीलैंड ने आयरलैंड से जीती वनडे सीरीज

डबलिन, 13 जुलाई। प्लेयर ऑफ द मैच माइकल ब्रेसवेल (नाबाद 42 और 26 रन पर दो विकेट) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने आयरसलैंड को दूसरे वनडे में मंगलवार को 71 गेंद शेष रहते तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली।

आयरलैंड की टीम 48 ओवर में 216 रन पर सिमट गयी जबकि न्यूजीलैंड ने 38.1 ओवर में सात विकेट पर 219 रन बनाकर सीरीज को क्लीन स्वीप करने की तरफ कदम बढ़ा दिया। ब्रेसवेल ने 40 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने 60 और कप्तान टॉम लाथम ने 55 रनों का योगदान दिया।

इससे पहले आयरलैंड की पारी में जॉर्ज डॉकरेल ने 61 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 74 रन बनाये। न्यूजीलैंड की तरफ से मैट हेनरी, ब्रेसवेल और मिशेल सेंटनर ने दो-दो विकेट लिए।

कोहली के दूसरे वनडे में भी खेलने पर संदेह, भारत की नजरें एक और श्रृंखला जीतने पर

भारत इंग्लैंड में दूसरी एक दिवसीय मैच आज

लंदन, 13 जुलाई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम गुरुवार को यहां लाड्र्स में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक बार फिर इंग्लैंड पर दबादबा बनाते हुए तीन मैचों की श्रृंखला में विजयी बढत बनाने के इरादे से उतरेगी जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का ठोइन की चोट के कारण इस मैच में भी खेलना संदिग्ध है।

लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ग्रो इन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे और अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह दूसरे मैच के लिए फिट हैं या नहीं।

कोहली के खराब प्रदर्शन का हालांकि सीमित ओवरों के मुकाबले में भारत पर अधिक असर नहीं पडा है क्योंकि टीम वनडे और टी20 दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर ही है। इंग्लैंडके खिलाफ टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारत ने मंगलवार को पहले वनडे में 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। कोहली की गैरमौजूदगी का नकारात्मक पक्ष यह है कि देश के शीर्ष बल्लेबाज को दबाव भरे मुकाबलों में ठोस प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिल रहा जबकि इसका दूसरा पहलू यह है कि अन्य बल्लेबाजों को खुद को साबित करने का मौका मिल रहा है जैसा सूर्यकुमार यादव ने नॉटिंघम में अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जड़कर किया। दूसरे मैच में कोहली की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पहले मैच में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''मैं अंतिम टी20 मैच में नहीं खेला और वह (कोहली) आज (मंगलवार) नहीं खेला। मेरे पास उसकी चोट के बारे में अपडेट नहीं है।'' कोहली अगर शत प्रतिशत फिट हुए बिना वापसी के लिए जल्दबाजी करते हैं तो ग्रोइन की मांसपेशियों में खिंचाव बडी चोट में बदल सकता है। रोहित शर्मा और उनकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके गेंदबाजों को लाड्र्स की पिच से भी ओवल जैसी मदद मिलेगी।

बुमराह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि मोहम्मद शमी किसी भी विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं। कप्तान रोहित ऐसे में श्रेयस अय्यर पर अधिक ध्यान लगाएंगे जिनकी शॉर्ट गेंद के खिलाफ समस्या बढती जा रही है। दुनिया भर के गेंदबाज शॉर्ट पिच गेंदों पर अय्यर को आउट कर रहे हैं और उनकी लेग साइड की ओर मूव करके शॉट खेलने के लिए जगह बनाने की रणनीति भी विफल हो रही है। दीपक हुड्डा जैसी क्षमता वाला खिलाडी टीम में जगह पाने का इंतजार कर रहा है और ऐसे में अय्यर पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव होगा। ओवल में रोहित ने 58 गेंद में नाबाद 76 रन की पारी खेली और साथी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के साथ मिलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया जिससे अन्य बल्लेबाजों को ओवल की पिच पर खुद को परखने का मौका नहीं मिला। आत्मविश्वास से भरा कप्तान साहसिक फैसले ले सकता है और ओवल में रन बनाने के बाद रोहित लाड्र्स पर आत्मविश्वास से भरे होंगे। जोस बटलर, जो रूट, बेन स्टोक्स, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय और लियाम लिविंगस्टोन की मौजूदगी वाला बल्लेबाजी क्रम किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को रौंद सकता है लेकिन ओवल में तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात में ये सभी बल्लेबाज विफल रहे। लाड्र्स की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी की अनुकूल होती है लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा जैसे नवोदित गेंदबाजों को इस मैदान की ढलान से भी सामंजस्य बैठाना होगा।

भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में पहुंचने के लिए क्या करना होगा

दुबई, 13 जुलाई। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे और आख़िरी टेस्ट में हरा दिया। इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा दूसरे टेस्ट को हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम अंक तालिका में पहले स्थान से खिसक गई है।

श्रीलंका के पास अंक तालिका में फिलहाल 54.17 फ़ीसदी अंक है। अगर वह फाइनल में पहुंचना चाहते हैं तो उन्हें और अंक बटोरने पडेंगे। उनकी टीम को इस डब्ल्यूटीसी साइकिल में चार और टेस्ट मैच खेलने हैं। घरेलू धरती पर ही वह पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे जो 16 जुलाई से शुरू हो रही है। अगर वह फ़ाइनल में पहुंचने के प्रबल दावेदार बनना चाहते हैं तो उन्हें पाकिस्तान को 2-0 से हराना होगा। इसके अलावा उन्हें दो मैच न्यूजीलैंड के साथ भी खेलना है। उन्हें वहां कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। इसके बाद उनके पास 61.11 फ़ीसदी अंक होंगे।

भारत पिछले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता था। हालांकि अभी वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उन्हें आगे दो टेस्ट बांग्लादेश के साथ खेलना है और चार टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलना है। अगर वह सभी टेस्ट जीतते हैं तो उनका अंक 68.05 फ़ीसदी हो जाएगा। ऐसा होने से वह फ़ाइनल तक पहुंच सकते हैं। अगर इन यह छह टेस्ट में से एक भी हारते हैं तो उनका अंक 62.05 फ़ीसदी हो जाएगा। इसके बाद उन्हें दूसरे टीमें को परिणाम पर निर्भर होना पडेगा।

अंक तालिका में 71.43 फ़ीसदी अंकों के साथ दक्षिण अफ्रीका टॉप पर है और 70 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। दूसरा टेस्ट हारने के बाद भले ही ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन अंक तालिका में वह अभी भी मजबूत स्थिति में है। अगर घरेलू धरती पर होने वाले बाकी के पांच टेस्ट मैच वह जीत जाते हैं तो वह 65 फीसदी अंकों के साथ इस डब्ल्यूटीसी साइकल को समाप्त करेंगे। वह भारत में होने वाले चार टेस्ट मैच जीते या हारें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनके पास 65 फीसदी अंक ही रहेंगे। अगर वह घरेलू धरती पर एक भी मैच हार जाते हैं तो उन्हें भारत में कम से कम एक टेस्ट जीतना होगा। तभी वह 65 फ़ीसदी अंक को बरक़रार रख पाएंगे।

जैसा कि उल्लेख किया गया है श्रीलंका को फाइनल की रेस में बने रहने के लिए 2-0 से जीत की आवश्यकता है। पाकिस्तान वर्तमान में अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। अगर वह उस सीरीज़ को 2-0 से जीत जाता है तो उनका अंक प्रतिशत बढ़कर 62.96 हो जाएगा। फिर उन्हें तीन में जीत हासिल करनी होगी।

पाक को पछाड़कर भारत वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा

दुबई, 13 जुलाई। इंग्लैंड पर 10 विकेट की बडी जीत के बाद भारत, पाकिस्तान से आगे निकलकर वनडे रैंकिंगमें तीसरे स्थान पर आ गया है। भारत के पास अब पाकिस्तान (106 अंक) से दो अंक अधिक 108 रैंकिंग अंक हैं। हालांकि भारत को यह बढ़त बरकरार रखने के लिए सीरीज़ के दो में से कम से कम एक मैच जीतने होंगे। न्यूजीलैंड 126 अंकों के साथ पहले और इंग्लैंड 122 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ़ घरेलू ज़मीन पर 3-0 से सीरीज़ जीतने के बाद पाकिस्तान, भारत को पछाडकर तीसरे स्थान पर आ गया था। भारत को अगले 15 दिनों में इंग्लैंड के खिलाफ दो और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ तीन वनडे मैच खेलने हैं। ऐसे में वह अपनी बढत को और बढ़ा सकता है। हालांकि इस बीच विराट कोहली की फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं और पहले मैच में अनुपस्थित रहने के बाद उनके लॉर्ड्स वनडे में भी खेलने पर संदेह है। जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह ओवल वनडे नहीं खेल पाए थे।

अश्विन चाहते हैं बल्लेबाजों के स्विच हिट लगाने से चूकने पर पगबाधा पर गौर किया जाए

मुंबई, 13 जुलाई। भारत के स्टार आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगर बल्लेबाज स्विच हिट लगाने के प्रयास में चूक जाता है तो गेंद के लेग साइड के बाहर टप्पा खाने के बावजूद उसे पगबाधा आउट दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए।

स्विच हिट में दाएं हाथ का बल्लेबाज अचानक बाएं और बाएं हाथ का बल्लेबाज का अचानक दाएं हाथ का बल्लेबाज बनकर शॉट खेलता है।

मौजूदा नियमों के अनुसार अगर गेंद लेग स्टंप के बाहर टप्पा खाई है तो इसके विकेटों पर लगने की पूरी संभावना होने के बावजूद बल्लेबाज को पगबाधा आउट नहीं दिया जा सकता। यह बल्लेबाजों के लिए 'ब्लाइंड स्पॉट' माना जाता है जहां गेंद को देखने में दिक्कत होती है।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''मेरा सवाल यह नहीं है कि वह रिवर्स स्वीप खेल सकता है या नहीं, यह नकारात्मक गेंदबाजी (लेग स्टंप के बाहर गेंद को टप्पा खिलाना) लाइन है या नहीं, मेरा नजरिया पगबाधा को लेकर है। यह अनुचित है कि इसे पगबाधा नहीं दिया जाता।''

टेस्ट क्रिकेट में 442 विकेट चटकाने वाले अश्विन ने कहा, ''बल्लेबाजों को स्विच हिट लगाने दीजिए लेकिन उनके चूकने पर हमें पगबाधा का मौका दीजिए। अगर बल्लेबाज पलट गया है तो आप कैसे कह सकते हैं कि वह पगबाधा नहीं है। अगर उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में आउट देना शुरू कर दिया तो गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बीच कुछ बराबरी स्थापित की जा सकेगी।''

अश्विन भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में संपन्न पांचवें टेस्ट के संदर्भ में कह रहे थे जहां मेजबान टीम ने जो रूट और जॉनी बेयरस्टो के नाबाद शतक से 378 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया और पांच मैच की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी।

उन्होंने कहा, ''उस मैच में यह जो रूट और जॉनी बेयरस्टो का रुख था। रूट ने लगभग 10 शॉट खेले जहां वह पूरी तरह से पलट गया और रिवर्स स्वीप खेलने का प्रयास किया।'' अश्विन ने कहा, ''उसने 10 बार शॉट खेला लेकिन नौ बार चूक गया। 10वें मौके पर बल्ले का निचला किनारा लगा। इस बीच बेयरस्टो लगातार गेंदों पर पैड मारते रहे।'' अश्विन ने कहा कि जब रूट ने 'स्विच' किया तो यह उनके लिए 'ब्लाइंड स्पॉट' नहीं रह गया और उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज की तरह खड़े होते हुए रिवर्स स्वीप खेला।

उन्होंने कहा, ''यहां मेरा नजरिया अलग है। एक गेंदबाज के रूप में मैं आपको सूचित कर रहा हूं कि मैं ओवर द स्टंप बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी कर रहा हूं और मैंने लेग साइड पर अधिक क्षेत्ररक्षक लगाए हैं। आप दाएं हाथ के बल्लेबाज के रूप में खड़े हैं लेकिन आप रिवर्स स्वीप खेलते हैं और बाएं हाथ के बल्लेबाज की तरह हिट करते हैं। ''

अश्विन ने कहा, ''लेकिन जब रूट ने ऐसा किया तो वह ब्लाइंड स्पॉट के कारण पगबाधा नहीं हुआ। यह ब्लाइंट स्पॉट तब है जब आप अपने सामान्य तरीके से बल्लेबाजी कर रहे हों।

सिंगापुर ओपन : सिंधु, प्रणय दूसरे दौर में, श्रीकांत बाहर

कलांग, 13 जुलाई। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय ने बुधवार को यहां पहले राउंड में जीत हासिल कर सिंगापुर ओपन के दूसरे राउंड में जगह बनायी। सिंधु ने बेल्जियम की लियान टैन को 29 मिनट में 21-15, 21-11 से हराया जबकि प्रणय ने थाईलैंड के सिथिकोम थम्मासिन को 21-13, 21-16 से सीधे गेमों में मात दी।

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत को हालांकि शुरुआती दौर में हमवतन मिथुन मंजुनाथ से 17-21, 21-15, 18-21 से करारी हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, विश्व में 66वें स्थान की खिलाडी अश्मिता चालिहा ने 12वें नंबर की शटलर बुसानन ओंगबामरुंगफान पर 21-16, 21-11 से दमदार जीत दर्ज की। यह मिथुन और चालिहा के करियर की पहली टॉप-15 जीत थी।

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल ने भी हमवतन मालविका बंसोड के खिलाफ 21-18, 21-14 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि 20 वर्षीय बंसोड ने इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दूसरे दौर में अपनी आदर्श नेहवाल को हराया था।

इसी बीच, परुपल्ली कश्यप इंडोनेशिया के पांचवी सीड जोनाथन क्रिस्टी से 14-21, 15-21 से हारने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

ऑस्ट्रेलिया एकदिवसीय श्रंखला से दक्षिण अफ्रीका ने नाम वापस लिया

मेलबर्न, 13 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस ले लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाली तीन मैचों की सीरीज 12 जनवरी 2023 से 17 जनवरी 2023 के बीच खेली जानी थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इन मैचों को स्थगित करने का अनुरोध किया ताकि वे प्रोटियाज़ की नयी घरेलू टी20 लीग से न टकराएं।

इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा, महामारी के कारण पहले से ही कई आयोजन स्थगित हो चुके हैं, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में होने वाला टी20 विश्व कप भी शामिल है। पहले से ही संकलित समय सारणी के कारण (एकदिवसीय) श्रंखला खेलने के लिये कोई अन्य तारीखें नहीं हैं। प्रोटियाज ने प्रभावी रूप से श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। मैच मई की क्वालीफिकेशन कट-ऑफ तिथि से पहले नहीं खेले जाएंगे इसलिये श्रंखला के 30 प्रतियोगिता अंक ऑस्ट्रेलिया को प्रदान किए जाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब बस आईसीसी की हामी का इंतजार है। एकदिवसीय श्रंखला से नाम वापस लेने के बाद 2023 क्रिकेट विश्व कप के लिये दक्षिण अफ्रीका के प्रत्यक्ष क्वालीफिकेशन की संभावना कम हो गयी है।

वनडे रैंकिंग में बुमराह बने विश्व के नंबर एक गेंदबाज़

दुबई, 13 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में छह विकेट चटकाने वाले भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह वनडे रैंकिंगमें नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस प्रदर्शन के बाद बुमराह ने पांच स्थान की चढ़ाई की है और छठे से शीर्ष स्थान पर आ गए हैं।

उन्होंने ट्रेंट बोल्ट और शाहीन शाह अफ़रीदी को पछाडा जो अब क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

बुमराह ने नई गेंद के साथ जॉस बटलर, जो रूट, जेसन रॉय और लियम लिविंगस्टन जैसे बल्लेबाज़ों के विकेट लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इसके बाद सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया था कि वह वर्तमान समय में सभी फ़ॉर्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

रोहित शर्मा ने पहले वनडे में नाबाद 76 रन बनाए और वह चौथे स्थान पर हैं। विराट कोहली उनसे एक रेटिंग अंक अधिक तीसरे स्थान पर हैं। बाबर आज़म और इमाम उल हक़ की पाकिस्तानी जोड़ी क्रमश: नंबर एक और नंबर दो पर है। पहले वनडे में नाबाद 31 रन बनाने वाले शिखर धवन अब 12वें स्थान पर हैं।

तीसरे टी20 में शतक लगाने वाले सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंगमें 44 स्थान चढ़कर नंबर 5 पर आ गए हैं और वह टी20 में भारत के शीर्ष बल्लेबाज़ हैं। वहीं टी20 सीरीज़ में सिर्फ़ दो मैच खेलकर प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ बने भुवनेश्वर कुमार टी20 के गेंदबाज़ी रैंकिंगमें शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं और वह 8वें स्थान पर हैं। वह टॉप 10 में एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं।

जॉश हेज़लवुड टी20 में शीर्ष गेंदबाज बने हुए हैं। वनडे की तरह टी20 में भी बाबर शीर्ष बल्लेबाज हैं।

निशानेबाजी विश्व कप में ट्रैप टीम ने जीता रजत

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), 13 जुलाई। पृथ्वीराज तोंडईमन, विवान कपूर और भौनीश मेंदीरत्ता की भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने बुधवार को यहां आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में रजत पदक जीता। भारतीय टीम को स्लोवाकिया से स्वर्ण पदक मैच में 2-6 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय तिकडी ने 72-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड में 213 अंकों के साथ शीर्ष स्कोर किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्लोवाकिया से सिर्फ एक आगे था। दूसरी ओर, भारतीय पुरुष और महिला राइफल टीम ने मेजबान कोरिया के साथ स्वर्ण पदक की भिड़ंत में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्रमश: 629.7 और 631.5 के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। ट्रैप पुरुष टीम के रजत जीतने के बाद,भारत चार पदक (2 स्वर्ण, एक रजत और कांस्य) के साथ पदक तालिका में चीन के साथ बराबरी पर है। सर्बिया वर्तमान में 3 स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष पर है।

मैं आलोचनाओं से निराश नहीं होता और ना ही तारीफ करने से बहुत खुश:बुमराह

लंदन, 13 जुलाई। अगर जसप्रीत बुमराह रेसलर होते तो वह रिऐलिटी युग के सुपरस्टार होते। जब वह अच्छा करते या उनका दिन अच्छा होता तो लोग बुमराह की तारीफ़ें करते लेकिन बुमराह को इससे बहुत अधिक फ़र्क नहीं पड़ता। वह अपने आप में स्थिर रहते और सवालों का जवाब देते वक़्त उनके शब्दों का चयन वास्तविकता के बहुत क़रीब होता। और जब उनका दिन अच्छा नहीं होता या जिस दिन वह अच्छा नहीं करते तो वह अपने आप से बहुत अधिक निराश भी नहीं होते।

पिछले सोमवार और मंगलवार को ही बुमराह की अगुआई वाली तेज़ गेंदबाज़ी

आक्रमण की इंग्लैंडके बल्लेबाज़ों ने ख़ूब धुलाई की थी और वे 377 रन के लक्ष्य को बचाने के कहीं से भी क़रीब नहीं थे। बुमराह ने इस पारी में 4.35 की रन रेट से रन दिए थे। एक हफ़्ते के बाद लगभग उन्हीं बल्लेबाज़ों के सामने बुमराह ने सात ओवर में छह विकेट ले डाले। इस मैच के दौरान उनकी स्विंग हतप्रभ कर देने वाली थी, इसके अलावा उन्हें पिच से भी सीम मूवमेंट मिल रहा था। लेकिन उन्होंने कुछ ज़्यादा अलग नहीं किया था।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बुमराह ने कहा, यही तो क्रिकेट की सुंदरता है। एक दिन सभी चीज़ें आपके पक्ष में जाती हैं, दूसरे दिन बहुत अधिक प्रयास करने के बाद भी आपको कुछ नहीं मिलता है। लेकिन तभी आपको स्थिर होने की ज़रूरत होती है। हर दिन एक नया दिन होता है। कई दिनों में आपको पहली ही गेंद पर बाहरी किनारा मिल जाता है तो कई दिन आप अच्छी गेंदबाज़ी करने के बाद भी किनारा ढूंढते रह जाते हैं। लेकिन इन सबसे आपको प्रभावित होने की ज़रूरत नहीं होती है। मैं हमेशा एक जैसी तैयारी करता हूं और जो मेरे नियंत्रण में नहीं है उसके बारे में अधिक नहीं सोचता हूं। इसके बाद जो भी परिणाम आता है, मैं उसे स्वीकार करता हूं और आगे बढ़ जाता हूं।

क्या यह आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी थी? इस सवाल के जवाब में बुमराह ने कहा, मैं अपनी गेंदबाज़ी को जज नहीं करता हूं और ना ही परिणाम की उतनी चिंता करता हूं। कई बार ऐसा हुआ होगा जब मैंने आज से अच्छी गेंदबाज़ी की हो लेकिन विकेट नहीं मिला हो, लेकिन मैं एक ही रूटीन और प्रोसेस फ़ॉलो करता हूं। हां, आज मुझे सफ़ेद गेंद से स्विंग और सीम दोनों मिल रही थी और मैं उसका फायदा उठाना चाहता था। इस बारे में मैंने शमी भाई से भी बात की और यह निर्णय लिया कि हम गेंद को थोडा आगे डालेंगे ताकि स्विंग का लाभ उठाया जा सके। यह अच्छा दिन था कि हमें विकेट मिला। क्रिकेट कॉमेंटेटर नासिर हुसैन ने बुमराह को हालिया समय में तीनों फ़ॉर्मेट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ बताया है। लेकिन बुमराह इससे भी अधिक प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं इन सब चीज़ों पर ध्यान नहीं देता। आज अच्छा दिन था तो लोग तारीफ़ कर रहे हैं। ना मैं इससे बहुत अधिक ख़ुश होता हूं और ना ही आलोचना होने पर निराश हो जाता हूं। मैं सभी फ़ॉर्मेट में खेलने का मज़ा लेता हूं और वह करने की कोशिश करता हूं जो मैं कर सकता हूं। जो लोग मेरे बारे में कुछ कहते हैं, उसका मैं सम्मान करता हूं लेकिन उसे अधिक गंभीरता से नहीं लेता हूं।

हम पिच को पहले दो ओवर में ही समझ गए थे : मोहम्मद शमी

लंदन, 13 जुलाइ। नवंबर 2020 के बाद मंगलवार को मोहम्मद शमी पहली बार वनडे खेलने लिए मैदान पर उतरे थे। हालांकि सिडनी में खेले गए उस वनडे मैच को शमी कभी भी याद नहीं रखना चाहेंगे। उस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 389 रन बनाते हुए भारत को 51 रनों से हराया था। जसप्रीत बुमराह और शमी ने उस मैच में 19 ओवरों में 152 रन दिए थे और सिर्फ़ दो विकेट निकाले थे।

हालांकि मंगलवार को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ खेला गया मैच कई मायनों में भारतीय गेंदबाजों के लिए शानदार रहा। मोहम्मद शमी इस मैच (अपने 80वें मैच) में 150 विकेट लेने वाले सबसे तेज़ भारतीय गेंदबाज बन गए। इसके अलावा पहले गेंदबाजी करते हुए भारतीय तेज़ गेंदबाजों ने सभी 10 विकेट झटके। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था।

बुमराह ने इस वनडे मैच में अपने करियर का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर 6 विकेट लिए। अपने इस गेंदबाजी प्रदर्शन के आधार पर बुमराह वनडे क्रिकेट रैकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस मैच में शमी ने भी बुमराह का जम कर साथ दिया। उन्होंने 31 रन ख़र्च करते हुए तीन विकेट झटके। इसमें जॉस बटलर और बेन स्टोक्स जैसे बल्लेबाजों का विकेट भी शामिल

था। बीसीसीआई टीवी पर गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे से बात करते हुए शमी ने कहा, पिच पर गेंद रूक कर आ रही थी और कांटा भी बदल रही थी। इसी कारण से यह महत्वपूर्ण था कि सही एरिया में गेंदबाज़ी की जाए। हमारे सभी गेंदबाजों ने बढ़िया गेंदबाजी की। जिस पिच पर गेंद ज्यादा स्विंग करती है वहां आपको सब कुछ साधारण ही रखना होता है, आपको ज्यादा कुछ करने की ज़रूरत नहीं होती है। हमने वही किया और परिणामस्वरूप हमें विकेट मिला। पहले ओवर में ही शमी बेयरस्टो को जिस तरीके से बीट कर रहे थे, उससे यह साफ पता चल गया था कि पिच गेंदबाजों के लिए मददगार है। पहले ओवर के बाद बुमराह और शमी ने बातचीत करते हुए अपना प्लान तय किया और उस पर अमल करते हुए बुमराह ने अपने पहली ही ओवर में जेसन रॉय का विकेट निकाल लिया। रॉय ऑफ़ स्टंप के बाहर की फुलर लेंथ की गेंद को ड्राइव करना चाहते थे लेकिन गेंद बल्ले पर लग कर विकेट पर चली गई। उसके ठीक दो गेंदों के बाद बुमराह को जो रूट का भी विकेट मिल गया। बैक ऑफ लेंथ गेंद पर रूट ने कीपर को कैच थमा दिया। उस गेंद पर मिली अतिरिक्त उछाल ने रूट को चौंका दिया था। शमी ने बुमराह के साथ अपनी गेंदबाजी के साझेदारी के बारे में बताया, हम इतने लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं कि दो ओवर में समझ जाते हैं कि पिच पर क्या हो रहा है और आपको क्या करना है। जब मैंने पहला ओवर फेंका, तो आप देख सकते थे कि गेंद स्विंग कर रही थी। बुमराह ने भी उसी लेंथ और लाइन पर गेंदबाज़ी करते हुए विकेट हासिल किए। शमी ने टी20 विश्व कप के बाद कोई टी20 मैच नहीं खेला था। आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस के साथ खेलते हुए उन्होंने 20 विकेट झटके थे। इसमें से 11 विकेट उन्होंने पावरप्ले के दौरान लिए थे।क्या सफेद गेंद की क्रिकेट में भारत किसी और प्लान के साथ आगे बढ़ रहा है? इस पर शमी ने कहा, मैं काफी समय से सफेद गेंद की क्रिकेट से दूर था। यह एक लंबा ब्रेक था। हालांकि आप एक बार जब इस तरीक़े के वातावरण में अनुकुलित हो जाते हैं तो अपने जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं। सबसे ज़्यादा ज़रूरी यह है कि आपकी सोच एकदम साफ़ हो। आपको कब कैसी लेंथ पर गेंदबाज़ी करनी है, यह आपको पता होना चाहिए। श्रृंखला के बाक़ी बचे मैच के लिए योजनाओं के बारे में पूछने पर शमी ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मेरी योजना यह है कि सब कुछ सरल रखा जाए।

उमेश ने काउंटी क्रिकेट में पहला विकेट चटकाया

लंदन, 13 जुलाई। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव ने वोरसेस्टरशर के खिलाफ मिडिलसेक्स का प्रतिनिधित्व करते हुए काउंटी चैंपियनशिप में अपना पहला विकेट हासिल किया।

उमेश ने मुकाबले के दूसरे दिन अपना पहला काउंटी चैंपियनशिप विकेट चटकाया।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह मिडिलसेक्स ने बाकी बचे सत्र के लिए 34 साल के तेज गेंदबाज उमेश को अनुबंधित किया है। उमेश ने टेलर कोर्नाल को आउट किया।

उमेश ने कोर्नाल को बोल्ड किया जिन्होंने 11 रन बनाए। भारत के इस तेज गेंदबाज ने 14 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट चटकाया।

दूसरे दिन मिडिलसेक्स ने वोरसेस्टरशर को 191 रन पर समेटा और दूसरी पारी में छह विकेट पर 180 रन बनाकर 177 रन की बढत बनाई। मिडिलसेक्स ने पहली पारी में 188 रन बनाए थे।

उमेश से पहले मौजूदा सत्र में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और कृणाल पंड्या काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं।

पुजारा ससेक्स के लिए खेलते हैं जबकि सुंदर और कृणाल ने क्रमश: लंकाशर और वारविकशर के साथ अनुबंध किया है।

बड़ौदा की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे रायडू

वडोदरा, 13 जुलाई। आगामी घरेलू सीज़न में अंबाती रायडू बड़ौदा की तरफ़ से खेलते हुए नज़र आएंगे। रायडू एक प्रोफेशनल क्रिकेटर के तौर पर बड़ौदा की टीम से जुडे हैं। आंध्र प्रदेश की टीम ने भी रायडू को नो ऑबजेक्शन सर्टिफ़िकेट दे दिया है। भले ही रायडू ने पिछले कुछ सालों में सिर्फ सफेद गेंद से क्रिकेट खेला है लेकिन बड़ौदा की टीम के लिए वह सभी फॉर्मेट में खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

इससे पहले भी साल 2012 से 2014 तक रायडू बड़ौदा की टीम के लिए खेल चुके हैं। हाल के वर्षों में रायडू ने हैदराबाद, आंध्र और विदर्भ की टीम के लिए खेल चुके हैं। रायडू के आने से बड़ौदा के बल्लेबाज़ी क्रम को काफ़ी मज़बूती मिलेगी। दीपक हुड्डा को भी बड़ौदा टीम प्रबंधन वापस लाने का प्रयास कर रहा है। दीपक साल 2020 में बड़ौदा की टीम को छोड कर चले गए थे। माना जाता है कि तब के कप्तान क्रुणाल पंड्या और दीपक के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। इसके बाद दीपक ने राजस्थान की टीम की तरफ़ से खेलते हुए बढ़िया प्रदर्शन भी किया। हालांकि इस साल के फ़रवरी माह से दीपक भारतीय टीम के सदस्य हैं और विभिन्न सीरीज में उनका चयन लगातार हो रहा है। इसके अलावा दीपक का लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में भी चयन हुआ था, जहां वह क्रुणाल के साथ खेल रहे थे। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के मुख्य कार्यकारी शिशिर हट्टंगडी ने कहा, जहां तक मुझे पता है, उन्होंने अपने मतभेदों को दूर कर लिया है। उन्होंने एक ही आईपीएल टीम के लिए एक साथ खेला और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके बीच जो भी समस्या थी उन्होंने उसे सुलझा लिया है।

हालांकि हम हुड्डा की वापसी के प्रति आशान्वित हैं। हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते कि वह टीम में आएंगे या नहीं क्योंकि जब दीपक को एक टीम की ज़रूरत थी।राजस्थान ने उन्हें अपनी टीम में जगह दी थी। हमारी तरफ से हम एक प्रयास कर रहे हैं कि वह वापस टीम मे आ जाएं।

बीसीए ने यूसुफ पठान को एक साल के कार्यकाल के लिए मेंटॉर के रूप में भी शामिल किया है। पठान ने इस पद को कुछ नियमों और शर्तों के साथ स्वीकार लिया है। यूसुफ आयु वर्ग, सीनियर टीम और महिला टीम के साथ सक्रिय रूप से शामिल होंगे। अरुण लाल ने बंगाल के मुख्य कोच के पद से इस्तीफ़ा दिया। अरुण लाल ने तीन सीज़न का प्रभार संभालने के बाद बंगाल सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। उन्होंने नौकरी से छोडने प्राथमिक कारण के रूप में काम की मुश्किल प्रकृति को बताया था। 66 वर्षीय लाल ने हंसते हुए कहा, यह बहुत कठिन काम है। नौ महीने, 24 घंटे का, और लगभग सात महीने बाहर यात्रा करना। इसलिए मैंने सोचा कि यह रुकने का समय है।